Newspaper : Denik Jagran
Edition: Delhi | Date: 11th October, 2019 | Pg. : 11

स्कूली बच्चों के सपनों को 'ध्रुव' देगा नई रोशनी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने गुरुवार को बेंगलुरु स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में प्रधानमंत्री इनोवेशन लर्निंग प्रोग्राम 'ध्रुव' की शुरुआत की। इसके साथ ही कार्यक्रम के पहले चरण के तहत देश भर से चयनित 60 प्रतिभाशाली स्कूली छात्रों का 15 दिनों का विशेष प्रशिक्षण भी प्रारंभ हो गया।

निशंक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि का परिचायक है। यह प्रतिभाशाली छात्रों के जीवन के साथ समाज में भी बड़ा बदलाव लाएगा। कार्यक्रम में चयनित बच्चों को 'ध्रुव तारा' नाम देते हुए निशंक ने कहा कि ये देश के करोड़ों बच्चों के लिए प्रकाश स्तंभ का काम करेंगे।

इसरो प्रमुख के. सिवन ने कहा कि चयनित बच्चों की प्रतिभा को ध्रुव तारे की तरह ही निखारा जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत इसरो मुख्यालय से किए जाने पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं की सोच के लिए प्रेरणा स्रोत होगी। इस दौरान छात्रों की मुलाकात देश के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर (रि.) राकेश शर्मा से भी कराई गई। उल्लेखनीय है कि स्कूली प्रतिभाओं को निखारने के लिए यह कार्यक्रम रूस के सीरियस एजुकेशनल सेंटर की तर्ज पर शुरू किया गया है। इसमें विज्ञान, कला सहित दूसरे क्षेत्रों से जुड़े बच्चों को 15 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उधर, देश के 15 नए केंद्रीय विद्यालयों को शुक्रवार को अपना भवन मिल जाएगा। मंत्री निशंक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उद्घाटन करेंगे।